आन्तरिक गृहकार्य

हिन्दी

बी.ए. प्रथम वर्ष, एचडी-01 & एचडी-02

सत्र-2014-15

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय , कोटा
रावतभाटा रोड, कोटा 324021 (राजस्थान)
फोन : - 0744-2470615, फैक्स: - 0744 - 2472525
Visit us at: www.vmou.ac.in

बी.ए. प्रथम वर्ष, हिन्दी, एचडी-01 & एचडी-02

मूल्यांकन हेतु आन्तरिक गृह कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

आपको बी.ए. प्रथम वर्ष में हिन्दी विषय के प्रश्न पत्रों के आन्तरिक गृह कार्य भिजवाये जा रहे हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

पाठ्यक्रम कोड	**प्रश्न पत्र का नाम**
HD-01	**हिन्दी पद्य भाग-1 (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)**
HD-02	**हिन्दी गद्य भाग - 1 (कथा साहित्य)**

आपके प्रश्नपत्र में आपको आन्तरिक गृह कार्य करने हैं । इन्हें पूरा करके आप अन्तिम तिथि से पूर्व अपने क्षेत्रीय केन्द्र/ अध्ययन केन्द्र के निदेशक के पास स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से अवश्य भिजवा दें। प्रत्येक सत्रीय कार्य 30 **अंक का है। इन प्राप्तांकों को आपकी सत्रांत परीक्षा के अंकों के साथ जोड़ा जायेगा। सत्रीय कार्य स्वयं की हस्तलिपि में करें। तथ्यात्मक त्रुटियों को छोड़ कर सत्रीय कार्यों का पुनर्मूल्यांकन नहीं होता है, और न ही इन्हें सुधारने हेतु दुबारा स्वीकार किया जाता है। अतः पहली बार में ही सर्वश्रेष्ठ उत्तर लिखें। प्रत्येक प्रश्नपत्र के सत्रीय कार्य अलग-अलग फाईल में नत्थी करें। विद्यार्थी प्रथम पृष्ठ पर निम्न सूचना अकिंत करें।**

स्कालर संख्या .....

छात्र का नाम .....

पिता का नाम .....

पत्र व्यवहार का पता .....

.....

.....

.....

.....

पाठ्यक्रम का नाम .....

पाठ्यक्रम का कोड .....

जमा करवाने का दिनांक .....

अध्ययन केन्द्र का नाम .....

क्षेत्रीय केन्द्र का नाम .....

आन्तरिक गृह कार्य

आन्तरिक गृहकार्य

बी.ए. प्रथम वर्ष परीक्षा

एचडी-01

हिन्दी पद्य भाग-1 (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

अधिकतम अंक 30

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड - अ

अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)

नोट : इस खण्ड में 6 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 6x1=06

प्रश्न 1. (i) 'रासो शब्द का अर्थ समझाते हुए चार रासों काव्य का नाम लिखिए।

(ii) काव्य गुण कौन कौन से है, परिचय दीजिए।

(iii) घनानन्द कौन सी धारा के कवि थे? उनकी दो रचनाऐं लिखिये।

(iv) छन्द की परिभाषा देते हुए उसके भेदों का नाम लिखिये।

(v) निर्गुण भक्ति से क्या तात्पर्य है। चार कवियों के नाम बताइये।

(vi) शब्द शक्ति किसे कहते है ?

खण्ड - ब

लघु उत्तर वाले प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई दो प्रश्नों के उतर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 100 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। 4 × 3 = 12

प्रश्न 2 निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये।

ऊधो मन नाहीं दसवीस-
एक हुतो सो गयो स्याम संग, को आराधै ईस।।
देह अति शिथिल भये माधव बिनु, जथा देह बिन सीस।
स्वासां अटकि रही आसा लगि, जीवहि कोटिबरीस।-

तुम तो सखा स्याम सुन्दर के, सफल जोग के ईस।

सूरदास रसिकन की बतियाँ, पुर वौ मन जगदीस।

प्रश्न 3 दादू के काव्य की सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 4 अलंकार की परिभाषा एवं भेद बताते हुए उसके महत्व पर सोदाहरण प्रकाश डालिये।

प्रश्न 5 निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए

सतगुरू की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार।

लोचन अनन्त उघाड़िया, अनंत दिखावण हार।।

माटी कहे कुम्हार से, तू क्या रौंदेमोय।

इक दिन ऐसा आवेगा, मै रौंदूगी तोय।।

प्रश्न 6 सूरदास की भक्ति भावना पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

खण्ड - स

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 400 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का है। 02 × 06 = 12

प्रश्न 7 "बिहारी के काव्य में भक्ति, नीति एवं श्रृंगार की त्रिवेणी प्रवाहित होती है।" इस कथन का सोदाहरण विवेचन कीजिये

प्रश्न 8 कबीर न केवल कवि थे, बल्कि सामाजिक चेतना भी उनके काव्य में समान रूप से सक्रिय थी सोदाहरण विवेचन कीजिये

प्रश्न 9 घनानन्द के काव्य मे विरह के पीर की सफल अभिव्यकित हुई है सोदाहरण समीक्षा कीजिये। -

प्रश्न 10 तुलसी के काव्य के भाव एवं शिल्प सौन्दर्य पर प्रकाश डालिये।

आन्तरिक गृहकार्य

बी.ए. प्रथम वर्ष

एचडी-02

हिन्दी गद्य भाग - 1 (कथा साहित्य)

अधिकतम अंक 30

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड - अ

अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)

नोट : इस खण्ड में 6 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 6x1=6

प्रश्न 1 (i) फणीश्वरनाथ रेणु का प्रसिद्ध आंचलिक उपन्यास कौन सा है ?

(ii) सुकुल बाबू किस उपन्यास के पात्र हैं।

(iii) "परमात्मा का कुत्ता कहानी के लेखक कौन है ?

(iv) नीलकांत के साथ सफर में क्या सामान था ?

(v) जैनेन्द्र के दो उपन्यासों का नाम लिखो।

(vi) कहानी और उपन्यास में अन्तर लिखिये ।

खण्ड - ब

लघु उत्तर वाले प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 100 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। 4 × 3 = 12

प्रश्न 2 "चीफ की दावत" कहानी में द्वंद्व के स्वरूप का विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न 3 मधूलिका का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्रश्न 4 "पत्नी" कहानी का कथासार लिखिए।

प्रश्न 5 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

"आज तक कभी बरातियों को कोई प्रसन्न रख रका है। उन्हें दोष निकालने और निंदा करने का कोई न कोई अवसर मिल ही जाता है। जिसे अपने घर सूखी रोटियाँ भी मयस्सर नहीं, वह भी

बारात में जाकर तानाशाह बन बैढता है। तेल खुशबूदार नहीं, साबुन टके सेर का जाने कहा से बटोर लाये, कहार बात नहीं सुनते लालटेन धुआँ देती है।'

प्रश्न 6 नीलकांत का सफर कहानी की भाषा और संरचना शिल्प की विशषताएँ बताइये।

प्रश्न 7 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

"मुन्नी ने तड़फ कर कहागाली क्यों देगा -, क्या उसका राज है। मगर यह कहने के साथ ही उसकी तनी भोंहे ढीली पड़ गयीं। हल्कू के उस वाक्य में कठोर सत्य था। वह मानों एक भीषण जंतु की भांति उसे घूर रहा था। उसने आले पर से रूपये निकाले और लाकर हल्कू के हाथ में रख दिए।"

खण्ड - स

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 400 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का है। 02 × 06 = 12

प्रश्न 8 महाभोज उपन्यास की औपन्यासिक तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए

प्रश्न 9 कहानी के प्रमुख तत्वों का उल्लेख करते हुए "उसने कहा था" कहानी के पात्रो का चरित्रचित्रण कीजिये।

प्रश्न10 "आशा अमरधन कहानी में राजस्थान की लोक संस्कृति की झांकी दृष्टव्य है। इस कथन के आधार पर कहानी की तात्त्विक विवेचना कीजिए।